दृष्टि The Vision

करेंट अफेयर्स उत्तराखंड

नवंबर (संग्रह)

2021

दृष्टि, 641, प्रथम तल, डॉ. मुखर्जी नगर, दिल्ली-110009

फोन: 8750187501

ई-मेल: online@groupdrishti.com

अनुक्रम

उत्तराखंड **5**

- उत्तराखंड में भाँग की औद्योगिक खेती 5
- मुख्यमंत्री घस्यारी कल्याण योजना 5
- तुंगनाथ महोत्सव 5
- औद्योगिक विकास, कृषि एवं पर्यटन महोत्सव 6
- उत्तराखंड के हर ज़िले में बनेगा भूकंपरोधी भवन का मॉडल 6
- केदारनाथ में 400 करोड़ रुपए की योजनाओं का लोकार्पण 7
- 'बातें कम काम ज़्यादा' गीत का विमोचन 7
- राज्य स्थापना दिवस की 21वीं वर्षगाँठ 8

नोट :

- नासा समर्थित अभियान में गढ़वाल विश्वविद्यालय की टीम का चयन 8
- 'रबी कृषक महोत्सव 2021' का शुभारंभ 9
- उत्तराखंड को पर्यटन क्षेत्र में 3 राष्ट्रीय पुरस्कार मिले 10
- मुख्यमंत्री ने पिथौरागढ़ में 343 करोड़ रुपए के कार्यों का शिलान्यास किया 10
- स्वामी राम का 26वां महासमाधि दिवस 10
- शहीद सम्मान यात्रा 11
- मतदाता जागरूकता 11
- 'अपनी सरकार' और 'उन्नति पोर्टल' का शुभारंभ 12
- गढ़वाली फिल्म 'सुनपट'का अंतर्राष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया में चयन 12
- उत्तराखंड का वैज्ञानिक दुनिया के शीर्ष दो फीसदी वैज्ञानिकों में शामिल 12
- उत्तराखंड कैबिनेट ने खेल नीति को दी मंज़ूरी 13

नोट :

- नीति आयोग के एसडीजी अर्बन इंडेक्स में देहरादून का प्रदर्शन खराब 13
- रक्षा इन्क्यूबेटर के लिये यूटीयू और एआरटीपार्क के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर 14
- स्व. धीरज नैथानी स्मृति राज्यस्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता 15

दृष्टि The Vision

नोट :

उत्तराखंड

उत्तराखंड में भाँग की औद्योगिक खेती

चर्चा में क्यों ?

- 31 अक्टूबर, 2021 को यू-टर्न फाउंडेशन द्वारा अपने 14वें स्थापना दिवस के अवसर पर राज्य सरकार को हेम्प मिशन के लिये अपना समर्थन देने का प्रस्ताव दिया गया है।

प्रमुख बिंदु

- गौरतलब है कि वर्ष 2018 में तत्कालीन मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत द्वारा उत्तराखंड में भाँग की औद्योगिक खेती के लिये पायलट प्रोजेक्ट की शुरुआत की गई थी, जिसके तहत भारतीय औद्योगिक भाँग संघ एवं उत्तराखंड सरकार के मध्य 1100 करोड़ रुपए के एमओयू पर हस्ताक्षर किये गए, जिसमें अगले पाँच वर्षों के दौरान भाँग की खेती, भंडारण परिवहन एवं प्रसंस्करण आदि क्षेत्रों में निवेश किया गया।
- भाँग की औद्योगिक खेती किये जाने से किसानों की आय में लगभग तीन गुना वृद्धि के साथ-साथ कई अन्य लाभ प्राप्त किये जा सकते हैं, जैसे-
  - भाँग से बनने वाले सीबीडी ऑयल का प्रयोग साबुन, शैंपू एवं दवाइयाँ बनाने में किया जाता है।
  - भाँग से कागज, रस्सियाँ सजावटी सामान एवं बायोडिग्रेडेबल हेम्प प्लास्टिक का निर्माण किया जाता है।

मुख्यमंत्री घस्यारी कल्याण योजना

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में केंद्रीय गृहमंत्री अमितशाह द्वारा उत्तराखंड के अपने एकदिवसीय दौरे के दौरान 'मुख्यमंत्री घस्यारी कल्याण योजना' की शुरुआत की गई। साथ ही राज्य के समस्त 670 बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि ऋण सहकारी समितियों का कंप्यूटरीकरण का कार्य भी विधिवत पूर्ण किया गया।

प्रमुख बिंदु

- राज्य के सहकारिता विभाग के अंतर्गत प्रारंभ की गई इस योजना के तहत पशुपालक परिवार की हर महिला को राज्य सरकार की ओर से एक किट दी जाएगी, जिसमें दो कुदाल, दो दरांती, एक पानी की बोतल और एक टिफिन शामिल होगा।
- साथ ही योजना के तहत 7,771 केंद्रों के माध्यम से सुदूर ग्रामीण पर्वतीय क्षेत्रों में पशुओं के लिये पौष्टिक चारे की आपूर्ति की जाएगी। इन क्षेत्रों में पशुपालकों पैकेज्ड साइलेज एवं टोटल मिक्सड राशन प्रदान किया जाएगा।
- इस योजना के क्रियान्वयन से महिलाओं को चारे के कार्य से मुक्ति मिलने के साथ प्रदेश के पशुपालन संबंधी आधारित अर्थशास्त्र में सुधार होगा, क्योंकि राज्य की 70% से अधिक आबादी की आजीविका का प्रमुख स्रोत कृषि एवं पशुपालन है।

तुंगनाथ महोत्सव

चर्चा में क्यों ?

- 1 नवंबर, 2021 को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा भगवान तुंगनाथ के शीतकालीन गद्दी स्थल मक्कूमठ में आयोजित तुंगनाथ महोत्सव का उद्घाटन किया गया।

नोट :

प्रमुख बिंदु

- इस अवसर पर मुख्यमंत्री धामी ने तुंगनाथ महोत्सव को ज़िलास्तरीय महोत्सव बनाने तथा मक्कू गाँव में स्वास्थ्य केंद्र खोलने की घोषणा की।
- उल्लेखनीय है कि पंचकेदार में तृतीय केदार के नाम से विश्वविख्यात भगवान तुंगनाथ की चलविग्रह उत्सव डोली के शीतकालीन गद्दी स्थल मक्कूमठ आगमन पर तुंगनाथ महोत्सव का आयोजन किया जाता है।

औद्योगिक विकास, कृषि एवं पर्यटन महोत्सव

चर्चा में क्यों ?

- 1 नवंबर, 2021 को जनपद रुद्रप्रयाग के तल्ला नागपुर क्षेत्र में आयोजित पाँचदिवसीय औद्योगिक विकास, कृषि एवं पर्यटन महोत्सव के समापन अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रिबन काटकर एवं दीप प्रज्ज्वलित कर आयोजित कार्यक्रम का विधिवत् शुभारंभ किया।

प्रमुख बिंदु

- इस अवसर पर मुख्यमंत्री द्वारा कई घोषणाएँ की गईं, जिनमें कुछ प्रमुख घोषणाएँ निम्न प्रकार हैं-
  - राष्ट्रीय गोल्ड पदक विजेता विचित्र सिंह नेगी को प्रतियोगिता में जाने हेतु 60 हज़ार रुपए की धनराशि सरकार की ओर से दी जाएगी।
  - तुंगेश्वर मंदिर प्रांगण का विस्तारीकरण किया जाएगा।
  - आदिगुरु शंकराचार्य सतेराखाल मंदिर को पर्यटन सर्किट से जोड़ने की कार्यवाही की जाएगी।
  - तल्ला नागपुर क्षेत्र में आयोजित औद्योगिक विकास, कृषि एवं पर्यटन महोत्सव मेले के लिये पाँच लाख रुपए देने की घोषणा की।
- मुख्यमंत्री ने बताया कि आगामी पाँच नवंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा केदारनाथ में कई योजनाओं का शिलान्यास करने के साथ ही आदिगुरु शंकराचार्य की प्रतिमा का अनावरण किया जाएगा।

उत्तराखंड के हर ज़िले में बनेगा भूकंपरोधी भवन का मॉडल

चर्चा में क्यों ?

- 3 नवंबर, 2021 को आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने सचिवालय स्थित डीएमएमसी सभागार में विभाग की समीक्षा बैठक में प्रदेश के हर ज़िले में मॉडल के रूप में एक-एक भूकंपरोधी भवन बनाए जाने का प्रस्ताव तैयार करने के अधिकारियों को निर्देश दिये।

प्रमुख बिंदु

- राज्य में आपदा की संवेदनशीलता को देखते हुए आपदा प्रबंधन विभाग की ओर से निम्नलिखित निर्णय लिये गए-
  - हर ज़िले में भूकंपरोधी भवनों का मॉडल तैयार किये जाने से स्थानीय स्तर पर लोग मॉडल के अनुरूप अपने भवनों को तैयार कर सकेंगे।
  - प्रदेश भर के राज मिस्त्रियों को ज़िलास्तर पर विशेषज्ञ संस्थानों के माध्यम से भूकंपरोधी मकान बनाने का प्रशिक्षण दिया जाएगा।
  - महिला व युवक मंगल दलों के ज़िला स्तर पर जागरूकता सम्मेलन भी आयोजित किये जाएंगे।
  - अगले वित्त वर्ष से राज्य आपदा मोचन निधि का बजट पाँच गुना बढ़ाकर 200 करोड़ किया जाएगा।
- इसके अतिरिक्त विभाग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, राज्य में आपदा प्रबंधन व शोध संस्थान गैरसैंण चमोली की स्थापना के लिये केंद्र सरकार को प्रस्ताव भेजा जा चुका है।

नोट :

केदारनाथ में 400 करोड़ रुपए की योजनाओं का लोकार्पण

चर्चा में क्यों ?

- 5 नवंबर, 2021 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केदारनाथ धाम में बाबा केदारनाथ की पूजा-अर्चना एवं जलाभिषेक किया। इस दौरान उन्होंने लगभग 400 करोड़ रुपए की योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया।

प्रमुख बिंदु

- प्रधानमंत्री ने आदि गुरु श्री शंकराचार्य जी के पुनर्निर्मित समाधि स्थल और नई प्रतिमा का अनावरण के साथ तीर्थ पुरोहितों के आवास, सरस्वती नदी के तट पर बाढ़ सुरक्षा तथा घाटों का निर्माण, मंदाकिनी नदी तट पर बाढ़ सुरक्षा हेतु भारवाहक दीवार, गरुड़ चट्टी के लिये मंदाकिनी नदी पर पुल के निर्माणकार्यों का लोकार्पण किया।
- प्रधानमंत्री द्वारा जिन योजनाओं का शिलान्यास किया गया, उनमें श्री केदारनाथ धाम में संगम घाट का पुनर्विकास एवं रेन शेल्टर शेड, प्राथमिक चिकित्सा तथा पर्यटक सुविधा केंद्र, मंदाकिनी वाटर एटीएम एवं मंदाकिनी प्लाज़ा, प्रशासनिक कार्यालय तथा अस्पताल भवन, केदारनाथ तीर्थस्थल में संग्रहालय (म्यूजियम) परिसर, सरस्वती सिविक एमेनिटी भवन आदि का निर्माण कार्य शामिल हैं।
- प्रधानमंत्री ने कहा कि चारधाम सड़क परियोजना पर तेज़ी से काम हो रहा है, चारों धाम सुरक्षित हाईवे से जुड़ रहे हैं। भविष्य में यहाँ केदारनाथ तक श्रद्धालु केबल कार के ज़रिये आ सकें, इससे जुड़ी प्रक्रिया भी शुरू हो गई है। पवित्र हेमकुंड साहिब जी के दर्शन आसान हों, इसके लिये वहाँ भी रोपवे बनाने की तैयारी है।
- इस अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि केदारपुरी में जहाँ प्रथम चरण के 225 करोड़ रुपए के कार्य पूर्ण हो चुके हैं, वहीं 184 करोड़ रुपए के कार्य द्वितीय चरण में गतिमान हैं। इसके साथ ही बद्रीनाथ धाम के मास्टर प्लान के लिये जहाँ 245 करोड़ रुपए से अधिक स्वीकृत हो चुके हैं, वहीं गंगोत्री व यमनोत्री के लिये भी करोड़ों रुपए के कार्य स्वीकृत हैं।
- उन्होंने कहा कि पिछले पाँच वर्षों में केंद्र सरकार द्वारा करीब एक लाख करोड़ रुपए से अधिक की विभिन्न परियोजनाएँ प्रदेश के लिये स्वीकृत हुई हैं, जिनमें से बहुत सी योजनाएँ पूर्ण हो चुकी हैं और अन्य पर कार्य चल रहा है।
- ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना तथा सामरिक एवं भौगोलिक दृष्टि से महत्त्वपूर्ण टनकपुर-बागेश्वर रेल परियोजना पर तेज़ी से काम हो रहा है। इसी प्रकार चार धाम ऑल वेदर रोड, भारत माला प्रोजेक्ट पर भी तीव्र गति से काम किया जा रहा है।

'बातें कम काम ज़्यादा' गीत का विमोचन

चर्चा में क्यों ?

- 8 नवंबर, 2021 को उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अपनी कार्यशैली व्यवहार, आचार-विचार युवा जोश, सकारात्मक सोच एवं उनके द्वारा किये जा रहे विकास कार्यों पर आधारित गीत 'बातें कम काम ज़्यादा' को यूट्यूब पर लॉन्च किया।

प्रमुख बिंदु

- सरकार द्वारा किये जा रहे विभिन्न विकास कार्यों एवं समाज के प्रत्येक वर्ग के लिये किये जा रहे कार्यों का समावेश कर गीत के रूप में प्रस्तुत किया गया है।
- इस गीत की निर्माता सावित्री बसेड़ा एवं निर्देशक डी. एस. बिस्ट हैं तथा रिकॉर्डिंग, मास्टरिंग/ मिक्सिंग का कार्य पवन गुसांई के द्वारा किया गया है।
- इस गीत को हिन्दी भाषा में तैयार किया गया है।
- इससे संगीत राकेश भट्ट द्वारा दिया गया है एवं भूपेंद्र बसेड़ा, मनोज सामंत, भगत मेहता, सोनम और राजलक्ष्मी एवं अन्य सहयोगी कलाकारों ने इस गीत को संयुक्त रूप से स्वर प्रदान किया है।

नोट :

राज्य स्थापना दिवस की 21वीं वर्षगाँठ

चर्चा में क्यों ?

- 9 नवंबर, 2021 को उत्तराखंड राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने ग्रीष्मकालीन राजधानी गैरसैंण (भराड़ीसैंण) विधानसभा परिसर में शहीद राज्य आंदोलनकारियों को नमन करते हुए विभिन्न विकास योजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास के साथ ही प्रदेश के विकास के लिये महत्त्वपूर्ण घोषणाँ भी कीं।

प्रमुख बिंदु

- राज्य स्थापना दिवस की 21वीं वर्षगाँठ पूरी गरिमा के साथ 'उत्तराखंड महोत्सव' के रूप में मनाई गई।
- राज्य स्थापना दिवस पर मुख्यमंत्री ने भराड़ीसैंण में निम्नलिखित प्रमुख घोषणाएँ की-
  - उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारियों, जिनको 3100 रुपए पेंशन प्राप्त हो रही है, को बढ़ाकर 4500 रुपए तथा जिनको 5000 रुपए पेंशन प्राप्त हो रही है, को बढ़ाकर 6000 रुपए किया जाएगा।
  - राज्य के प्रत्येक जनपद मुख्यालय पर अध्ययनरत छात्राओं हेतु एक-एक महिला छात्रावास का निर्माण किया जाएगा। साथ ही जनपद मुख्यालयों पर कामकाजी महिला छात्रावास का निर्माण किया जाएगा।
  - सरकारी अस्पतालों में जच्चा-बच्चा के सुरक्षित स्वास्थ्य हेतु अस्पतालों में 48 घंटे रुकने वाली प्रसूता महिला को 2000 रुपए उपहार धनराशि भेंट की जाएगी।
  - 11 से 18 वर्ष आयु वर्ग की किशोरियों को टीएचआर सुविधा प्रदान की जाएगी। 11 से 18 वर्ष आयु वर्ग की किशोरियों को सेनेटरी नैपकीन उपलब्ध कराने हेतु प्रत्येक आंगनबाड़ी केंद्रों में सेनेटरी नैपकीन वेंडिंग मशीन की स्थापना की जाएगी।
  - क्रॉनिक डिजीज़ (दीर्घकालिक एवं पुरानी बीमारियाँ) के उपचार में ली जाने वाली दवाइयों को नि:शुल्क उपलब्ध कराया जाएगा।
  - देहरादून एवं हल्द्वानी में नशामुक्ति केंद्र की स्थापना की जाएगी।
  - राज्य में स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ अर्बन डेवलपमेंट की स्थापना की जाएगी।
  - ई-डिस्ट्रिक्ट के माध्यम से संचालित 32 सेवाओं को अद्यतन करते हुए कुल 75 सेवाओं तथा सेवा का अधिकार अधिनियम में अधिसूचित अवशेष 190 सेवाओं को शीघ्र ही 'अपणि सरकार पोर्टल' के माध्यम से संचालित कर आम जनमानस को लाभान्वित किया जाएगा।
  - प्रदेश में खेल को प्रोत्साहित करने तथा युवाओं को खेल की विभिन्न विधाओं से जोड़ने के लिये 'खेल नीति, 2021' लागू की जाएगी।
  - उत्तराखंड में 'स्वास्थ्य पर्यटन' से राज्य की आर्थिकी को बढ़ाने हेतु गढ़वाल मंडल विकास निगम एवं कुमाऊँ मंडल विकास निगम के पर्यटक गृहों में आयुष वेलनैस सेंटर खोले जाएंगे।
  - भराड़ीसैंण विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण एवं शोध संस्थान बनाया जाएगा।
  - आदिबद्री और घाट क्षेत्र को नगर पंचायत बनाया जाएगा।
- मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम के दौरान 12943.40 लाख रुपए की 36 योजनाओं का लोकार्पण एवं 9554.66 लाख रुपए की 33 योजनाओं का शिलान्यास किया, जिसमें विधानसभा बद्रीनाथ के अंतर्गत 5110.90 लाख रुपए की 10 योजनाओं का लोकार्पण एवं 3506.43 लाख रुपए की 10 योजनाओं का शिलान्यास शामिल हैं।
- इसी प्रकार कर्णप्रयाग विधानसभा के अंतर्गत 3097.48 लाख रुपए की 9 योजनाओं का लोकार्पण एवं 2781.50 लाख रुपए की 11 योजनाओं का शिलान्यास तथा थराली विधानसभा के अंतर्गत 4735.02 लाख रुपए की योजनाओं का लोकार्पण एवं 3166.73 लाख रुपए की योजनाओं का शिलान्यास किया गया।

नासा समर्थित अभियान में गढ़वाल विश्वविद्यालय की टीम का चयन

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में एचएनबी गढ़वाल विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग के पाँच छात्रों की एक टीम को इंटरनेशनल एस्ट्रोनॉमिकल रिसर्च कोलैबोरेशन द्वारा संचालित राष्ट्रीय वैमानिकी और अंतरिक्ष प्रशासन (नासा) समर्थित अंतरिक्ष निर्माण सलाहकार परिषद क्षुद्रग्रह खोज अभियान के लिये चयनित किया गया है।

नोट :

प्रमुख बिंदु

- नासा का यह कार्यक्रम 1 से 26 नवंबर तक संचालित किया जा रहा है, जिसमें संजीव कुमार और करण सिंह (भौतिकी में शोध छात्र), महावीर प्रसाद और शिवानी कुलसारी (भौतिकी में परास्नातक छात्र) तथा प्रवीण कुमार (स्नातक छात्र- पीसीएम समूह) वरिष्ठ भौतिक विज्ञानी आलोक सागर गौतम की देखरेख में मुख्य-बेल्ट क्षुद्रग्रहों और निकट-पृथ्वी वस्तुओं की खोज में भाग ले रहे हैं।
- उल्लेखनीय है कि क्षुद्रग्रह छोटे आकार के आकाशीय पिंड हैं, जो हमारे सौरमंडल के आंतरिक हिस्सों में पाए जाते हैं। ये सूर्य के चक्कर लगाते हुए पाए जाते हैं। इनका आकार सामान्य ग्रहों के मुकाबले बहुत छोटा होता है और ये ग्रहों की परिभाषा के सभी विशेषताओं की प्रदर्शित नहीं करते, जिस कारण इन्हें क्षुद्रग्रह नाम दिया गया है।

'रबी कृषक महोत्सव 2021' का शुभारंभ

चर्चा में क्यों ?

- 11 नवंबर, 2021 को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मानूबांस, हरिद्वार में 'रबी कृषक महोत्सव 2021' का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न योजनाओं का शिलान्यास एवं लोकार्पण भी किया।

प्रमुख बिंदु

- इस कृषि महोत्सव के माध्यम से कृषि की नवीन तकनीकी जानकारी आसानी से उपलब्ध हो पाएगी।
- मुख्यमंत्री ने किसानों को बीज, उर्वरक आदि की जानकारी देने के लिये लगाए गए विभागीय स्टॉलों का अवलोकन भी किया। मुख्यमंत्री ने लाभार्थी कृषकों को चेक एवं प्रशस्ति-पत्र भी प्रदान किये।
- इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कई घोषणाएँ की- हरिपुर टोंगिया को राजस्व ग्राम बनाया जाएगा, ग्राम टांडा हसन में नदी पर पुल का निर्माण किया जाएगा, ग्राम रिठौरा में नदी पर पुल बनाया जाएगा, लालवाला दाबूबांस में पुल निर्माण किया जाएगा, बुग्गावाला में डिग्री कॉलेज की स्थापना की जाएगी, मानूबांस में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की स्थापना की जाएगी, ग्राम इब्राहिमपुर मसाई में इंटर कॉलेज की स्थापना की जाएगी।

तीनदिवसीय जनजाति महोत्सव का शुभारंभ

चर्चा में क्यों ?

- 11 नवंबर, 2021 को जनजाति समुदाय के स्वतंत्रता सेनानी बिरसा मुंडा के जन्मदिन (15 नवंबर) के अवसर व उत्तराखंड राज्य स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में जनजाति कार्य मंत्रालय, भारत सरकार और जनजाति शोध संस्थान संग्रहालय उत्तराखंड द्वारा डॉ. बी.आर. अम्बेडकर ओ.एन.जी.सी. स्टेडियम में आयोजित तीनदिवसीय उत्तराखंड जनजाति महोत्सव का केंद्रीय जनजाति कल्याण मंत्री अर्जुन मुंडा व मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुभारंभ किया।

प्रमुख बिंदु

- इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने कहा कि उत्तराखंड जनजाति महोत्सव के माध्यम से सभी जनजातियों को एक मंच मिला है। इस आयोजन में जनजातियों के लोक जीवन, सांस्कृतिक विरासत, लोक एवं परंपराओं को भी जीवंतता मिली है।
- इस महोत्सव के दौरान केंद्रीय जनजाति मंत्री ने मुख्यमंत्री के आग्रह के बाद उत्तराखंड के सीमांत ज़िले चमोली और पिथौरागढ़ में जनजाति समुदाय के छात्रों के लिये दो नए एकलव्य विद्यालय खोलने व जनजातीय विद्यालयों में अध्ययनरत करीब पाँच हज़ार छात्रों को केंद्र की ओर से टैबलेट प्रदान किये जाने की घोषणा की।
- इसके अलावा केंद्रीय मंत्री ने प्रदेश में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय की स्थापना के लिये जल्द ही प्रस्ताव भेजने को कहा।
- महोत्सव में उत्तराखंड की पाँच जनजाति (जौनसारी, भोटिया, बुक्सा, थारू और राजी) समेत अन्य राज्यों के जनजाति समुदाय भी शिरकत कर रहे हैं। उत्तराखंड के ये पाँच जनजाति समुदाय प्रदेश के विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। संस्कृति और परंपरा का संरक्षण हो या प्रकृति के साथ रहकर ज्ञान-विज्ञान की सीख देना हो, सभी क्षेत्रों में जनजाति समुदाय उदाहरण पेश करते हैं।

नोट :

उत्तराखंड को पर्यटन क्षेत्र में 3 राष्ट्रीय पुरस्कार मिले

चर्चा में क्यों ?

- 12 नवंबर, 2021 को इंडिया टुडे टूरिज्म सर्वे एंड अवाड्र्स-2021 में उत्तराखंड ने तीन श्रेणियों में प्रतिष्ठित राष्ट्रीय स्तर के पुरस्कार जीते। इनमें राज्य को बेस्ट वाइल्डलाइफ डेस्टिनेशन, बेस्ट एडवेंचर डेस्टिनेशन और बेस्ट स्पिरिचुअल डेस्टिनेशन का अवार्ड मिला।

प्रमुख बिंदु

- केंद्रीय पर्यटन मंत्री जी किशन रेड्डी ने उत्तराखंड के पर्यटन और संस्कृति मंत्री सतपाल महराज को ये पुरस्कार प्रदान किये।
- भारत के बेहतरीन पर्यटन स्थलों को नई दिल्ली में इंडिया टुडे टूरिज्म सर्वे एंड अवाड्र्स-2021 के हिस्से के रूप में नौ अलग-अलग श्रेणियों में पुरस्कार दिये गए।
- उत्तराखंड के कॉर्बेट टाइगर रिज़र्व को सर्वश्रेष्ठ वन्यजीव गंतव्य, ऋषिकेश को सर्वश्रेष्ठ साहसिक गंतव्य और केदारनाथ को सर्वश्रेष्ठ आध्यात्मिक गंतव्य घोषित किया गया।

मुख्यमंत्री ने पिथौरागढ़ में 343 करोड़ रुपए के कार्यों का शिलान्यास किया

चर्चा में क्यों ?

- 12 नवंबर, 2021 को उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पिथौरागढ़ ज़िले के अपने तीनदिवसीय दौरे के दौरान ज़िले के लिये लगभग 343 करोड़ रुपए की लागत से कुल 126 विकास कार्यों का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इनमें से 59 कार्यों को उन्होंने जनता को समर्पित किया।

प्रमुख बिंदु

- मुख्यमंत्री ने पिथौरागढ़ ज़िले में शारदोत्सव और विकास प्रदर्शनी का उद्घाटन करने के बाद विकास कार्यों का उद्घाटन और शिलान्यास किया। शारदोत्सव के हिस्से के रूप में विभिन्न सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियों का भी आयोजन किया गया।
- मुख्यमंत्री धामी ने जिन विकास कार्यों का उद्घाटन और शिलान्यास किया, उनमें ज़िले के विभिन्न विभागों द्वारा किये गए निर्माण और विकास कार्यों के साथ-साथ विभिन्न ढाँचागत विकास कार्य शामिल हैं।

स्वामी राम का 26वां महासमाधि दिवस

चर्चा में क्यों ?

- 13 नवंबर, 2021 को हिमालयन इंस्टीट्यूट हॉस्पिटल ट्रस्ट (HIHT) के संस्थापक स्वामी राम का 26 वां महासमाधि दिवस स्वामी राम हिमालयन विश्वविद्यालय (SRHU) में मनाया गया। इस अवसर पर केंद्रीय रक्षा और पर्यटन राज्य मंत्री अजय भट्ट मुख्य अतिथि थे।

प्रमुख बिंदु

- इस सभा को संबोधित करते हुए, भट्ट ने कहा कि स्वामी राम ने 1989 में प्रेम और सेवा के सिद्धांतों द्वारा निर्देशित हिमालय संस्थान की स्थापना की थी। यह विश्वविद्यालय उन कुछ संस्थानों में से एक है जो एक ही छत के नीचे डॉक्टर, नर्स, इंजीनियर और प्रबंधन पेशेवर तैयार करता है।
- अपने संबोधन में विश्वविद्यालय के कुलपति विजय धस्माना ने ट्रस्ट की भविष्य की योजनाओं की जानकारी देते हुए एचआइएचटी के इतिहास पर बात की. उन्होंने कहा कि ट्रस्ट स्वामी राम के लक्ष्य के अनुरूप लोगों की सेवा के पथ पर आगे बढ़ रहा है।
- इस अवसर पर SRHU के स्टाफ सदस्यों को उनके प्रदर्शन के लिये विभिन्न पुरस्कार भी प्रदान किये गए। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय द्वारा होम स्टे के संचालन में प्रशिक्षित युवाओं को भी प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।

नोट :

- धस्माना ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा पहले चरण में राज्य के सभी ज़िलों के 100 युवाओं को प्रशिक्षण दिया गया है। ट्रस्ट का लक्ष्य लगभग 1,000 युवाओं को प्रशिक्षण देना है। इस अवसर पर विनोबा सेवा आश्रम को स्वामी राम मानव पुरस्कार प्रदान किया गया। 2003 से, HIHT अर्थव्यवस्था, पर्यावरण, विज्ञान, सामाजिक और आध्यात्मिक क्षेत्रों में सराहनीय कार्य के लिये किसी संगठन या व्यक्ति को यह पुरस्कार प्रदान कर रहा है। विनोबा सेवा आश्रम उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर क्षेत्र में लगभग 40 वर्षों से समाज सेवा के लिये समर्पित है।

शहीद सम्मान यात्रा

चर्चा में क्यों ?

- 15 नवंबर, 2021 को उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी एवं भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नडन्न ने सवाड़, चमोली में सैन्यधाम निर्माण हेतु आयोजित शहीद सम्मान यात्रा का शुभारंभ किया। इस अवसर पर सवाड़ गाँव स्थित शहीद स्मारक पर शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई तथा शहीदों के परिजनों को सम्मानित भी किया गया।

प्रमुख बिंदु

- इस अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि शहीदों के अभूतपूर्व योगदान को हमेशा याद रखने के लिये उत्तराखंड की वीरभूमि में एक सैन्य धाम का निर्माण किया जा रहा है।
- सभी 13 जनपदों के शहीद सैनिकों के घर के आंगन की मिट्टी लाकर उसे सैन्य धाम के निर्माण में शामिल कर उनके बलिदान से आगामी पीढ़ियों को प्रेरणा प्रदान करने का कार्य करेंगे।
- उन्होंने कहा कि आज एक लाख 15 हज़ार उत्तराखंड के जवान देश सेवा में लगे हैं। 05 लाख सैनिक परिवार उत्तराखंड में हैं। इस भूमि से एक परमवीर चक्र, 06 अशोक चक्र, 13 महावीर चक्र प्राप्तकर्त्ता उत्तराखंड की भूमि से हैं।
- सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि वीर शहीदों के सम्मान में राज्य सरकार देहरादून में भव्य सैन्य धाम बनाने जा रही है। इस सैन्य धाम का शिलान्यास करने के लिये प्रत्येक शहीद के घर के आंगन से पवित्र मिट्टी को कलश में एकत्र कर सम्मान के साथ देहरादून लाया जाएगा।
- उन्होंने बताया कि ज़िले में ब्लॉक-वाइज शहीद सैन्य समारोह आयोजित किये जाएंगे, जिसमें आज (15 नवंबर को) देवाल और थराली ब्लाक का सम्मान कार्यक्रम शहीद स्मारक सवाड़ में शुभारंभ किया गया है।
- राज्य के सभी 13 ज़िलों मे यह यात्रा चलेगी। इस दौरान सभी शहीदों के परिवारों को जनपद एवं ब्लॉक स्तर पर ताम्रपत्र भेंट कर सार्वजनिक समारोह में सम्मानित भी किया जाएगा।

मतदाता जागरूकता

चर्चा में क्यों ?

- 15 नवंबर, 2021 को उत्तराखंड के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) सौजन्या ने महिलाओं और युवाओं को मतदाता सूचियों में पंजीकरण के लिये प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से राज्य सचिवालय से मतदाता जागरूकता वैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

प्रमुख बिंदु

- सीईओ सौजन्या ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए वर्तमान में मतदाता सूची का विशेष पुनरीक्षण कार्यक्रम चल रहा है और ये वैन इस कार्यक्रम के बारे में जागरूकता पैदा करेंगी।
- उन्होंने कहा कि गढ़वाल और कुमाऊँ मंडल में एक-एक वैन को सेवा में लगाया गया है। ये वैन 15 से 22 नवंबर तक गढ़वाल और कुमाऊँ मंडल के विभिन्न क्षेत्रों को कवर करेंगी।
- उन्होंने कहा कि कलाकारों की एक टीम वैन के साथ जाएगी और वे नुक्कड़ नाटकों द्वारा जागरूकता पैदा करेंगे। वैन में स्वीप सामग्री और एक सार्वजनिक संबोधन प्रणाली भी होगी।

नोट :

'अपनी सरकार' और 'उन्नति पोर्टल' का शुभारंभ

चर्चा में क्यों ?

- 17 नवंबर, 2021 को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने एक कार्यक्रम में 'अपनी सरकार' और 'उन्नति पोर्टल'का शुभारंभ करते हुए 'न्यूनतम सरकार अधिकतम शासन'के उद्देश्य को पूरा करने की दिशा में नौ विभागों की 75 सेवाओं को ऑनलाइन कर दिया है।

प्रमुख बिंदु

- मुख्यमंत्री ने कहा कि ऑनलाइन सेवाओं के शुरू होने से समय और धन की बचत होगी तथा इन सभी सर्टिफिकेट कैब को डिजी लॉकर में रखा जाएगा। अब घर-बैठे आय प्रमाण-पत्र, जाति प्रमाण-पत्र और अधिवास प्रमाण-पत्र सहित 75 सेवाएँ प्राप्त की जा सकती हैं।
- सूचना, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी सचिव आर. के. सुधांशु ने बताया कि पोर्टल कैशलेस, पेपरलेस और फेसलेस सिस्टम बनाने में मदद करेंगे तथा विभागवार, अधिकारीवार और जिलेवार प्रदर्शन की समीक्षा करने में सहायक होंगे।
- नए लॉन्च किये गए पोर्टल आम जनता के लिये बहुत फायदेमंद होंगे तथा विभिन्न विभागों के बीच समन्वय स्थापित करने में भी मदद करेंगे।
- प्रत्येक नागरिक पोर्टल पर अपना डैशबोर्ड बना सकता है, जिसके द्वारा कोई भी अपनी फाइल की प्रगति देख सकेगा।

गढ़वाली फिल्म 'सुनपट'का अंतर्राष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया में चयन

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में उत्तराखंड के विशेषकर पहाड़ की संस्कृति, यहाँ के लोगों की समस्या, पलायन, खानपान को दर्शाती गढ़वाली शार्ट फिल्म 'सुनपट'का गोवा में होने जा रहे अंतर्राष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया के लिये चयन किया गया है।

प्रमुख बिंदु

- इस फिल्म की शूटिंग पिछले वर्ष पौड़ी गढ़वाल के बीरोंखाल क्षेत्र में की गई थी।
- उल्लेखनीय है कि आगामी 20 से 28 नवंबर तक गोवा में अंतर्राष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया का आयोजन किया जाएगा। इसके लिये प्रेस इन्फारमेशन ब्यूरो (पीआइबी) ने फिल्म फेस्टिवल में दिखाई जाने वाली फीचर व नान फीचर की 44 फिल्मों का चयन किया है, जिसमें उत्तराखंड की गढ़वाली शार्ट फिल्म सुनपट भी शामिल है।
- मूलरूप से डांग गाँव बीरोंखाल व वर्तमान में जवाहर कॉलोनी फरीदाबाद निवासी राहुल रावत ने निर्देशन के साथ फिल्म की कहानी लिखी है।
- निर्देशक राहुल ने बताया कि गढ़वाली शब्द सुनपट का मतलब 'सन्नाटा'है। सुनपट उत्तराखंड के गाँवों पर आधारित एक ऐसे समाज की कहानी है, जिसका बीता कल खोया हुआ है और आने वाला कल धुंधला नज़र आता है।
- फिल्म के मुख्य किरदार अनुज और भरतू स्कूल के दोस्त हैं। फिल्म में उत्तराखंड के ग्रामीण परिवेश की झलक, पहाड़ों में जीवन का संघर्ष और उसकी अनिश्चितताओं को दिखाया गया है।

उत्तराखंड का वैज्ञानिक दुनिया के शीर्ष दो फीसदी वैज्ञानिकों में शामिल

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में अमेरिका के स्टेनफोर्ड विश्वविद्यालय ने साल 2021 के शीर्ष दो फीसदी वैज्ञानिकों की सूची जारी की है, जिसमें उत्तराखंड के डॉ. सुनील चमोली को शामिल किया गया है।

प्रमुख बिंदु

- स्टेनफोर्ड विश्वविद्यालय के वर्ष 2021 को सूची में शामिल डॉ. सुनील चमोली, जीबीपंत अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान घुडदोड़ी के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग में असिस्टेंट प्रोफेसर हैं।

नोट :

- डॉ. सुनील चमोली द्वारा फ्यूड फ्लो एवं हीट एक्सेंजर पर शोध कार्य किया गया हैं।
- इनके द्वारा थर्मल सिस्टम के साथ ही ऊर्जा संरक्षण के क्षेत्र में अहम योगदान दिया जा रहा है।
- इनके 50 से अधिक शोध पत्र राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय जर्नल में प्रकाशित हो चुके हैं।
- विदित हो कि इस वर्ष शिक्षक दिवस के अवसर पर उत्तराखंड तकनीकी विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में डॉ. सुनील चमोली को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा सम्मानित किया गया था।
- ध्यातव्य है कि स्टेनफोर्ड विश्वविद्यालय द्वारा जारी की गई यह रिपोर्ट प्रो. जॉन ईयोनीडिस के नेतृत्व में विशेषज्ञ समिति के द्वारा तैयार की गई है।

उत्तराखंड कैबिनेट ने खेल नीति को दी मंज़ूरी

चर्चा में क्यों ?

23 नवंबर, 2021 को उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में नई खेल नीति 2021 के मसौदे को मंज़ूरी दी गई। नीति के रूप में, सरकार राज्य के विभिन्न हिस्सों में उच्च प्राथमिकता वाले खेलों के लिये उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करेगी।

प्रमुख बिंदु

- खेल नीति लागू होने के साथ ही प्रदेश के खिलाड़ियों को राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने के अवसर खुल जाएंगे।
- खेल नीति में एक ओर जहाँ हर साल प्रदेश भर के 2600 खिलाड़ियों को दो-दो हज़ार रुपए प्रतिमाह छात्रवृत्ति दी जाएगी, वहीं दूसरी ओर आठ साल की उम्र से ही खिलाड़ियों की पहचान के लिये फिजिकल एंड स्पोर्ट्स एप्टीट्यूड टेस्ट लागू किया जाएगा।
- खेल मंत्री अरविंद पांडे ने बताया कि 'उत्तराखंड खेल नीति 2021' प्रदेश में खेल संस्कृति के विकास और उन्नयन के लिये उत्कृष्ट एवं प्रभावी है। देश में आज जिस प्रकार खेलों में युवाओं की रुचि बढ़ी है तथा अनेक संभावनाओं ने आकार लिया है, इसी के दृष्टिगत प्रदेश सरकार द्वारा राज्य में युवाओं के हित में उत्तराखंड खेल नीति-2021 का निर्माण किया गया।
- राज्य सरकार राज्य के प्रत्येक ज़िले में 8 से 14 वर्ष की आयु के 300 बच्चों (150 लड़के और 150 लड़कियों) का चयन करेगी और इन 3,900 बच्चों को 1,500 रुपए प्रति माह की छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी। इसी तरह 14 से 23 वर्ष के 200 बच्चों को हर ज़िले में चिह्नित कर उन्हें 2,000 रुपए प्रतिमाह छात्रवृत्ति दी जाएगी।
- 'उत्तराखंड खेल नीति 2021' के अंतर्गत इलेक्ट्रॉनिक कल्चर से प्रभावित बच्चों और युवाओं को खेलों के प्रति प्रेरित कर प्ले फील्ड कल्चर की ओर अग्रसर किया जाएगा।
- खेल नीति में खेल, खिलाड़ियों के उन्नयन, खेल प्रतिभाओं को तलाशने, निखारने व उभारने, खेलों के प्रति रुचि बढ़ाने, खिलाड़ियों के नियोजन, सामान्य आहार के साथ-साथ एक्स्ट्रा न्यूट्रिएंट्स फूड डाइट की व्यवस्था, खिलाड़ियों के लिये रोज़गार के अवसर और पूर्ण सुविधाएँ प्रदान करने का प्रावधान किया गया है।
- इस नीति के तहत राज्य सरकार ने अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय खेल आयोजनों की सभी श्रेणियों में पदक विजेताओं के लिये सरकारी नौकरियों का प्रावधान किया है।

नीति आयोग के एसडीजी अर्बन इंडेक्स में देहरादून का प्रदर्शन खराब

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में नीति आयोग द्वारा जारी पहले 'सतत् विकास लक्ष्य शहरी सूचकांक'में उत्तराखंड की अस्थायी राजधानी देहरादून ने खराब प्रदर्शन किया है। यह 63.71 अंकों के साथ देश के 56 शहरों में 35वें स्थान पर तथा 'परफॉर्मर'की श्रेणी में है।

प्रमुख बिंदु

- उल्लेखनीय है कि नीति आयोग द्वारा प्रथम बार इस प्रकार के सतत् विकास लक्ष्य के अंतर्गत शहरी इंडेक्स जारी किया गया है।

नोट :

- इंडेक्स में देश के 56 नगरीय क्षेत्रों को 77 सूचकांकों में प्राप्त की गई प्रगति के आधार पर रैंकिंग दी गई है, जिसमें सर्वाधिक 75.5 अंक प्राप्त कर शिमला प्रथम रैंक पर है।
- शहरों को 100 में से प्राप्त स्कोर के आधार पर विभाजित किया गया है। 65 और 99 के बीच स्कोर प्राप्त करने वाले शहरों को 'फ्रंट-रनर ', 50 और 64 के बीच स्कोर वाले शहरों को 'परफॉर्मर' तथा 50 से कम स्कोर वाले शहरों को 'एस्पिरेंट्स' के रूप में वर्गीकृत किया गया है। वहीं 100 अंकों वाले शहर को 'अचीवर'की श्रेणी में रखा गया है।
- अच्छे स्वास्थ्य और भलाई, गरीबी नहीं, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सस्ती और हरित ऊर्जा जैसे 14 स्थायी लक्ष्यों के आधार पर शहरों को अंक दिये गए। इन स्थायी लक्ष्यों में, देहरादून ने तीन श्रेणियों- शून्य भूख, उद्योग, नवाचार और बुनियादी ढाँचे और जलवायु कार्रवाई में क्रमश: 45, 47 और 31 अंकों के साथ खराब प्रदर्शन किया है।
- देहरादून ने पाँच श्रेणियों - कोई गरीबी नहीं, अच्छा स्वास्थ्य व भलाई, अच्छा काम व आर्थिक विकास, असमानताओं में कमी और स्थायी शहर व समुदाय में 52 से 59 अंक हासिल किये। जबकि शेष सात वर्गों में किफायती और स्वच्छ ऊर्जा श्रेणी में सबसे ज्यादा अंक के साथ 72 से 96 अंक हासिल किये हैं।
- गौरतलब है कि संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा सतत् विकास को सुनिश्चित करने हेतु 17 एसडीजी लक्ष्य निर्धारित किये गए है। एसडीजी के उद्देश्यों की पूर्ति हेतु देश तथा राज्य प्रतिबद्ध हैं।

रक्षा इन्क्यूबेटर के लिये यूटीयू और एआरटीपार्क के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

चर्चा में क्यों ?

- 26 नवंबर, 2021 को वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखंड तकनीकी विश्वविद्यालय (यूटीयू) और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड रोबोटिक्स टेक्नोलॉजी पार्क (ARTPARK) के बीच विश्वविद्यालय परिसर में एक रक्षाकेंद्रित इनक्यूबेटर स्थापित किये जाने हेतु एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया गया।

प्रमुख बिंदु

- यूटीयू के कुलपति (वीसी) पीपी ध्यानी और एआरटीपार्क के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) सुभाष बनर्जी ने इसके लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किये।
- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड रोबोटिक्स टेक्नोलॉजी पार्क (ARTPARK) केंद्र सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा समर्थित एक संगठन है।
- इस अवसर पर कुलपति ध्यानी ने कहा कि इनक्यूबेटर की स्थापना के बाद, प्रशासन राज्य में एआई और रोबोटिक्स संस्कृति को बढ़ावा दे सकता है।
- सुभाष बनर्जी ने कहा कि ARTPARK का उद्देश्य न केवल एक अच्छा उत्पाद स्थापित करना है, बल्कि एक ऐसी तकनीक बनाना है, जो भारतीय सेना को वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में आने वाली चुनौतियों के कारण उत्पन्न होने वाली समस्याओं को हल करने में मदद कर सकती है।
- उन्होंने कहा कि संगठन का उद्देश्य राज्य में उच्चस्तरीय अकादमिक शोध की सुविधा के लिये छात्रों के व्यावहारिक ज्ञान को बढ़ावा देना भी है।
- उत्तराखंड सरकार के रक्षा निर्माण के समन्वयक वीएस रावत ने कहा कि यहाँ की सरकार संबंधित मुद्दों के समाधान में सेना की सहायता के साथ-साथ प्रौद्योगिकी और अकादमिक छात्रों के लिये एक अनुसंधान एवं विकास केंद्र बनाना चाहती है।
- रावत ने बताया कि यह परियोजना करीब 43 करोड़ रुपए की है और सेना डिज़ाइन ब्यूरो ने विश्वविद्यालय को करीब आठ परियोजनाओं के लिये (प्रत्येक के लिये 1.50 करोड़ रुपए) राशि उपलब्ध कराने का प्रस्ताव दिया है।

नोट :

स्व. धीरज नैथानी स्मृति राज्यस्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता

चर्चा में क्यों ?

- 26-28 नवंबर, 2021 तक देहरादून में आयोजित स्व. धीरज स्मृति राज्यस्तरीय बैंडमिंटन प्रतियोगिता में पौड़ी जनपद चैंपियन रहा।

प्रमुख बिंदु

- देहरादून में आयोजित इस प्रतियोगिता में 50 प्लस पुरुष वर्ग व 40 प्लस पुरुष वर्ग में पौड़ी विजयी रहा।
- इस प्रतियोगिता के अंतर्गत 50 प्लस एकल मुकाबले में पौड़ी जनपद के अर्जुनसिंह बिष्ट देहरादून के सगीर-अहमद को पराजित कर चैंपियन बने तथा 40 प्लस के मुकाबले में पौड़ी जनपद के पंकज रावत व अजीत सिंह गुसाईं की जोड़ी ने देहरादून शिक्षा विभाग के रवि रावत व परवीन जुयाल की जोड़ी को पराजित किया।
- प्रतियोगिता में बेस्ट खिलाड़ी का पुरस्कार भी पौड़ी जनपद के जगदीश नेगी को प्राप्त हुआ है।

दृष्टि The Vision

नोट :